

## आईटीएस में शुरू हुआ 'यूफोरिया' एन्युअल फंक्शन में दिखा स्टूडेंट्स का टैलेंट

■ एनबीटी न्यूज, मेरठ रोड

आईटीएस डेंटल कॉलेज का 3 दिन एन्युअल फंक्शन यूफोरिया गुरुवार से शुरू हो गया है। एन्युअल डे के पहले दिन कॉलेज के स्टूडेंट्स ने कई रंगारंग कार्यक्रम पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का शुभारंभ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विनोद सचदेव, वाइस प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी ने दीप प्रज्वलित करके किया। प्रिंसिपल डॉ. विनोद सचदेव ने कहा कि रचनात्मक, सांस्कृतिक एक्टिविटीज जहां स्टूडेंट्स का मानसिक व शारीरिक विकास करती हैं, वहीं स्टडीज में भी काफी मदद करती हैं। साथ ही देश की सभ्यता व संस्कृति को जानने-समझने का मौका भी मिलता है। वाइस प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी ने कहा कि हेल्दी



कॉलेज में 3 दिन चलेगा एन्युअल फंक्शन

बॉडी ही पॉजिटिव सोच बना सकती है, जिससे अच्छे समाज का भी निर्माण होता है। समारोह के आखिरी दिन यानि 30 मई को एजुकेशन व अन्य एक्टिविटीज के होनहार स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जाएगा।

Amar Ujala

Date: 29.05.15

Page No. 11

**तीन दिवसीय वार्षिक यूफोरिया का शुभारंभ**

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कालेज में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय यूफोरिया-2015 समारोह का आयोजन किया गया। स्टूडेंट्स ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डा.विनोद सचदेव और देवीचरण शेट्टी ने किया।

## आइटीएस में यूफेरिया 2015 का आगाज

संस, मुरादनगर : गांव असालतनगर स्थित आइटीएस डेन्टल कॉलेज में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय वार्षिक समारोह यूफेरिया-2015 का शुभारंभ हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डेन्टल विभाग के प्रधानाचार्य विनोद सचदेव व उपप्रधानाचार्य देवीचरण शेट्टी ने किया। विनोद सचदेव ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आए हैं।

संस्थान हर वर्ष ऐसे आयोजन करारकर युवाओं को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान छात्रों ने रंगोली, फेस पेंटिंग, नृत्य, वाद विवाद, नुक्कड़, नाटक, निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता समेत अन्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मीडिया प्रभारी राजीव मल्होत्रा ने बताया कि तीन दिवसीय आयोजन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को 30 मई को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में डा. पियूष, डा. पिकल, डा. मनीषा, डा. भावना, तपन कुमार, सूजा खान, शिवांगी आदि का सराहनीय योगदान रहा।